हिन्दी साप्ताहिक

RNI No. UPHIN/2011/43668

जनवीणा

WWW.JANVEENA.COM

स्वर जन-मन का...

वर्ष : 12 | अंक : 32 | लखनऊ, 28 जुलाई, 2023 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रूपये

मुख्यमंत्री योगी बोले, पूर्वांचल व बुंदेलखंड के नियोजित विकास पर करें फोकस, यहां अपार संभावनाएं

लखनऊ। मुख्यमत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को नियोजन विभाग के कार्यों की समीक्षा की और अफसरों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बहुआयामी एवं दीर्घकालिक विकास को ध्यान में रखकर बुंदेलखंड और पूर्वांचल विकास निधि का उपयोग किया जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को नियोजन विभाग के कार्यों की समीक्षा की और प्रदेश में सेक्टरवार पोटेंशियल को प्रोत्साहित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हुए नियोजित और समन्वित प्रयासों का परिणाम है कि प्रदेश की वार्षिक आय में सतत बढ़ोतरी हो रही है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद 16,45,317 करोड़ रुपये थी। जो 2021-22 में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 19,74,532 करोड़ रुपये हो गई है। वहीं, 2022-23 के लिए तैयार अग्रिम अनुमानों के आधार पर राज्य आय 21.91 लाख करोड़ रुपये से आंकलित हुई है। यह स्थिति संतोषप्रद है। एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य के साथ सतत प्रयास जारी रखा जाए।

बुंदेलखंड और पूर्वांचल में विकास की अपार संभावनाएं हैं। हमें इन संभावनाओं को एक्सप्लोर करना होगा। विश्वविद्यालयों व तकनीकी संस्थाओं को इस महत्वपूर्ण कार्य से जोड़ें। कहां, कौन से सेक्टर में प्रयास की आवश्यकता है। किस प्रकार की सहायता दी जानी चाहिए। इन सबका गहन अध्ययन कराया जाए। यह अध्ययन रिपोर्ट नियोजन विभाग में संकलित हों और उपयोगिता अनुसार उन्हें कार्ययोजना में शामिल किया जाए। बुंदेलखंड और पूर्वांचल के विकास के लिए आवंटित निधि का उपयोग बहुआयामी एवं दीर्घकालिक विकास को ध्यान में रखकर स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार हो।

आकांक्षात्मक जनपद कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश के सभी चिन्हित जिलों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। नीति आयोग द्वारा डैशबोर्ड चैम्पियन्स आफ चेन्ज पर मई 2023 की सूचना के अनुसार समग्र रूप से देश के प्रथम 10 जनपदों में उत्तर प्रदेश के 06 जनपद आये हैं। बलरामपुर (01), सिद्धार्थनगर (02), सोनभद्र (04), चन्दौली (05), फतेहपुर (08) तथा बहराईच (09) वें स्थान पर हैं। इसी प्रकार, स्वास्थ्य एवं पुष्टाहार विषयगत क्षेत्र में देश के प्रथम 10 जनपदों में उत्तर प्रदेश के 05 जनपद आये हैं। इसमें बलरामपुर (03), सिद्धार्थनगर (04), चन्दौली (05), सोनभद्र (07), एवं श्रावस्ती (08) वें स्थान पर है। शिक्षा विषयगत क्षेत्र में देश के प्रथम 10 जनपदों में उत्तर प्रदेश के 05 जनपद आये हैं। बलरामपुर (01), सोनभद्र (07), श्रावस्ती (08), सिद्धार्थनगर (09) एवं चित्रकूट (10) वें स्थान पर हैं। वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास विषयगत क्षेत्र में देश के प्रथम 10 जनपदों में उत्तर प्रदेश के 02 जनपद आये हैं। सिद्धार्थनगर (05) एवं फतेहपुर (10) वें स्थान पर हैं। कार्यक्रम में अच्छी रैंक प्राप्त होने पर नीति आयोग द्वारा प्रदेश के 08 महत्वाकांक्षी जनपदों को अतिरिक्त वित्तीय प्रोत्साहन भी प्राप्त हुआ है। यह प्रयास सतत जारी रखा जाए। आकांक्षात्मक विकास खंड कार्यक्रम शासन की प्राथमिकता में है।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में पांच लाख रामभक्तों के आने की उम्मीद, पीएम मोदी होंगे मुख्य यजमान

अयोध्या। अयोध्या में जनवरी में होने वाला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 10 दिनों का होगा। जिसके मुख्य यजमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होंगे। महोत्सव की तैयारियों का खाका खींचा जा रहा है।

राममंदिर के उद्घाटन की तैयारियां तेज होती जा रही हैं। भव्य गर्भगृह में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव जनवरी 2024 में किया जाना है। उत्सव को व्यापक स्वरूप देने की योजना पर काम चल रहा है। इसकी कमान राममंदिर ट्रस्ट के साथ संघ व विहिप ने संभाल रखी है। संघ का अनुमान है कि महोत्सव में करीब पांच लाख लोग अयोध्या आ सकते हैं। अयोध्या आने वाले लोगों की सुविधा का विस्तृत खाका तैयार किया जा रहा है।

संघ के पदाधिकारी लगातार बैठकें कर आयोजन की रूपरेखा तैयार कर रहे हैं। संघ की कोशिश है कि अयोध्या से कोई भी भूखा न जाए। पूरे शहर में जगह-जगह भंडारे के आयोजन की तैयारी हो रही है। संघ के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, रामलला का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 10 दिवसीय होगा। उत्सव का शुभारंभ मकर संक्रांति 15 जनवरी को होगा, समापन 24 जनवरी को होना है।

इसी बीच शुभ तिथि में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की जानी है, इसके मुख्य यजमान पीएम नरेंद्र मोदी होंगे, उन्हें आमंत्रण भेजा चुका है। संघ का अनुमान है कि महोत्सव में शामिल होने के लिए अयोध्या में कम से कम पांच लाख भक्त आ सकते हैं। वैसे संघ लोगों से अपील कर रहा है कि अयोध्या आने के बजाय अपने-अपने क्षेत्र के मठ-मंदिरों में अनुष्ठान का आयोजन कर उत्सव मनाएं। फिर भी बड़ी संख्या में लोगों के आने की संभावना है। ऐसे में उनकी सुरक्षा, सुविधा के प्लान पर लगातार मंथन चल रहा है।

रामभक्तों के लिए लगेंगी रोडवेज की बसें

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में अयोध्या आने वाले लोगों के रुकने के लिए मठ-मंदिरों के अलावा स्कूल-कालेजों में भी व्यवस्था की जा सकती है। भक्तों के आवागमन के लिए रोडवेज बसों की मदद लिए जाने की योजना बनाई जा रही है।

सम्पादकीय

सरहद पार प्यार

अभी पाकिस्तानी नागरिक सीमा गुलाम हैदर और भारत के सचिन की असामान्य प्रेम कहानी के उलझे तार सुलझे भी नहीं थे कि राजस्थान की अंजू और पाकिस्तानी प्रेमी नसरुल्ल की प्रेम कहानी के किस्से सुर्खियां बनने लगे। सीमा रेखा के आर-पार के प्रेमिल रिश्तों की तमाम कहानियां हम अतीत में सुनते आये हैं। सालों लोगों ने अपने प्रेमी-प्रेमिका का इंतजार किया। ये विषय फिल्म निर्माताओं को भी मुनाफा देता रहा है क्योंकि ऐसे विषयों का रोचक कथापक्ष दर्शकों को खूब लुभाता रहा है। लेकिन इन हालिया प्रेम कहानियों में कई तरह के उलझे पेच भी हैं। एक तो ये रिश्ते अलग-अलग धर्मों के बीच पनपे हैं दूसरे इनमें परिवारों की कोई भूमिका नहीं रही है। अन्यथा विगत में रिश्तेदारों-पड़ौसियों या कारोबारी संबंधों के जरिये ये प्रेम कहानियां सिरे चढ़ती रही हैं। हालिया दोनों प्रेम कहानियों में ये चीज एक जैसी है कि प्रेम सोशल मीडिया के जरिये परवान चढ़ा। सीमा हैदर का चार बच्चों को लेकर भारत आना एक चौंकाने वाला पक्ष है। वह भी बिना वीजा के नेपाल के रास्ते भारत में एंट्री। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा गठित एसआईटी की जांच में कई विरोधाभासी तथ्य सामने आए हैं। आम धारणा यह भी रही है कि सामान्य देहयष्टि व मामूली सी नौकरी वाले सचिन में सीमा हैदर को क्या नजर आया कि वह अपना घर-परिवार, धर्म व देश छोड़कर भारत चली आई। हालांकि, पुरानी कहावत है कि प्रेम आंख मूंदकर होता है और उसमें तर्कों की कोई गुंजाइश नहीं होती। लेकिन हाल के दिनों में सैकड़ों ऐसे प्रकरण सामने आए हैं जिनमें सोशल मीडिया के जरिये रिश्ते गांठकर सेना, वायुसेना व नौसेना के अधिकारियों व कर्मचारियों को किसी सुंदरी के जरिये पाकिस्तान से जासूसी के लिये इस्तेमाल किया जाता रहा है। सीमा के भाई व अन्य रिश्तेदारों का पाक सेना से जुड़ा होना संदेह को गहरा करता है। ऐसे ही अंजू के मध्य प्रदेश स्थित मायके के सदस्यों का बीएसएफसे जुड़ाव का मुद्दा भी उठा है। फिर उनके व पति के बीच बातचीत के लीक होने से कई असामान्य तथ्य उजागर हुए हैं। वैसे इन घटनाक्रमों के जरिये भारतीय समाज में एक बहस नये सिरे से उठ खड़ी हुई है कि सोशल मीडिया कितना सोशल है और संबंधों में आ रही विकृतियों में इसकी कितनी भूमिका है। निस्संदेह, हर मां-बाप प्यार व कष्टों से पाली गई संतान के बेहतर भविष्य को लेकर सोचता है। दस बातें सोचकर बेटी-बेटे के रिश्तों को अंजाम देते हैं। इस रिश्ते में इस बात की गुंजाइश होती है कि यदि किसी वजह से संबंधों में ऊंच-नीच हो भी जाए तो मायके के दरवाजे खुले रह सकते हैं। ऐसे में आजादी के बाद से जहरीली शत्रुता रखने वाले देश पाकिस्तान से क्या उम्मीद की जा सकती है कि उसके हुक्मरान सरहद पार करके पनपते प्यार को सहजता से स्वीकार करेंगे। या क्या कोई मां-बाप कटुता के चरम दौर में पहुंचे भारत-पाक रिश्तों के दौर में अपनी बेटी-बेटे की खैर-खबर लेने पाकिस्तान जा सकता है? अल्पसंख्यक लड़कियों के धर्म परिवर्तन, जबरन निकाह व क्रूर व्यवहार के किस्से रोज अखबारों की सुर्खियां बनते रहते हैं। ऐसे में भारत से गई किसी लड़की का प्रेमिल जीवन पाक में सामान्य रह सकेगा, सवाल पैदा करता है। इन घटनाक्रमों ने एक बार फिर से सोशल मीडिया की सामाजिकता को लेकर बहस तेज कर दी है। हाल की दोनों घटनाओं को छोड़ भी दें तो देश में हजारों किस्से ऐसे हैं कि जिनमें सोशल मीडिया के जरिये लड़कियों से छल किया गया। उन्हें लूटा गया और उनकी हत्या तक कर दी गई। एक परिपक्व व्यक्ति के लिये सोशल मीडिया के गहरे निहितार्थ हैं। लेकिन छोटी उम्र में बहकने को भटकाव ही कहा जायेगा। वहीं वैवाहिक रिश्तों के दरकने को भारतीय समाज के लिये एक बड़ी चुनौती माना जाएगा। जो समाज में कई तरह की विकृतियों को जन्म दे सकता है। रिश्तों की पवित्रता को लेकर पश्चिमी जगत में जिस भारत की मिसाल दी जाती रही है आज वह ही रिश्तों के संक्रमण वाले दौर से गुजर रहा है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था का भविष्य खतरे में

संजीव ठाकुर

आज राजनीति का स्तर जिस तीव्रता से स्खलित होते जा रहा है। अब उनसे किसी भी तरह की सांस्कृतिक संस्कारी आचार संहिता का पालन करने की उम्मीद और आशा नहीं की जा सकती है। राजनीति दिशाहीन,सिद्धांत-विहीन हो गई है। पद और सत्ता का लालच राजनीतिक पार्टियों का अंतिम लक्ष्य हो गया है। आज जिस तरह से राजनीतिक पार्टियां राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव की सांध्य बेला पर सांसदों की अफरा-तफरी और विधायकों की खरीद-फरोख्त में मशगूल हो रही है, जातिवाद अवसरवाद पद लोलुपता सिर चढ़कर बोलने लगी है। निश्चित तौर पर लोकतंत्र शर्मिंदा होकर खंडित होने लगा है। संविधान की निर्मात्री सभा के सपने चूर चूर हो रहे हैं यह भारतीय लोकतंत्र के लिए अच्छे दूरगामी परिणामों के संकेत नहीं है। पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम जी ने कहा कि लोकतंत्र या प्रजातंत्र शब्द ग्रीक भाषा से अवतरित अंग्रेजी शब्द डेमोक्रेसी का हिंदी रूपांतरण है, जिसका सीधा सीधा अर्थ होता है प्रजा अथवा जनता द्वारा परिचालित शासन व्यवस्था। किंतु अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की परिभाषा सर्वमान्य रूप से प्रचलित है जिसके अनुसार प्रजातंत्र या लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा, शासन है। उन्होंने इस कथन के तर्क में कहा क्योंकि मैं गुलाम नहीं होना चाहता,इसीलिए मुझे शासक भी नहीं होना चाहिए, यही विचार मुझे लोकतंत्र की ओर अग्रेषित करता है। मणिपुर की शर्मनाक हिंसात्मक घटना के बाद सारी की सारी लोकतांत्रिक व्यवस्था चरमरा गई है और समस्त प्रतिमान धाराशाही हो गए दूसरी तरफ राजनैतिक हिंसक घटनाओं के पीछे यदि कारण खोजे जाएं तो राजनीतिक पार्टियों के एजेंडा में ही कई कारण मिल जाएंगे। अफगानिस्तान में तालिबानी आतंकवादियों द्वारा कब्जे के बाद वैश्विक अशांति का दौर चल रहा है, रूस यूक्रेन युद्ध औपनिवेशिकवाद तथा विस्तार वादी मंसूबों का परिणाम ही है । इसके अलावा अधिकांश लोकतांत्रिक देश इस अशांति से भयभीत और घबराए हुए और अपनी आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने में लग गए हैं। तालिबान आतंकवादियों द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जे से तालिबानी सोच पूरे विश्व में धीरे-धीरे फैलने लगी है। खासकर लोकतांत्रिक देश जहां बोलने, सुनने, कहने और अपनी मनमर्जी करने की आजादी है, वहां लोकतंत्र का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्व हिंसा का घिनौना खेल खेलने से नहीं चूक रहे हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर दुर्गा पंडाल पर हमला कर दिया जाता है, यह एक तालिबानी सोच का सबसे बड़ा उदाहरण है। पाकिस्तान में सिखों को चुन-चुन कर मारा जाना भी इसी सोच का परिणाम है। लखीमपुर खीरी में बवाल मचाने वाले अनेक नेता जम्मू कश्मीर में अल्पसंख्यकों के जघन्य हत्याकांड पर अजीब तरीके से चुप हैं और उनकी सहानुभूति के लिए एक शब्द उनके मुंह से नहीं निकल रहे हैं। आज हर व्यक्ति, हर पार्टी, हर समूह के लिए लोकतंत्र के मायने अलग-अलग हैं। जब तक इनका उल्लू सीधा होता रहता है तब तक यह लोकतंत्र की दुहाई देते हैं, इनका स्वार्थ सधने के बाद लोकतंत्र हवा में बाष्पित हो जाता है। भारत जैसे विशाल देश में इसे विश्व में सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक लोकतांत्रिक देश के रूप में जाना जाता है, इस देश में जिसकी मूल आत्मा ही प्रजातंत्र, लोकतंत्र है,यही पर यदि लगातार अलोकतांत्रिक घटनाएं होती रहेंगी और अलोकतांत्रिक व्यवहार दर्शित होता रहेगा तो लोकतंत्र की मूल भावना न सिर्फ आहत होगी बल्कि गायब भी होना शुरू हो जाएगी। यहीं से लोकतंत्र के स्खलन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। हम सारी अनुकूल प्रतिकूल परिस्थितियों पर गंभीरता के साथ विचार करें, तो पाएंगे कि प्रजातांत्रिक व्यवस्था में जन्मी समस्याओं के पीछे शासन तंत्र नहीं बल्कि जनता के बड़े वर्ग का नेतृत्व करने वाले समूह इसका जिम्मेदार है। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने कहा था कि जो लोग शासन करते हैं उन्हें देखना चाहिए कि लोग साथ प्रशासन पर किस तरह प्रतिक्रिया जाहिर करते हैं, क्योंकि प्रजातंत्र में अंतर मुखिया जनता ही होती है, दूसरी तरफआम नागरिकों का मार्ग प्रशस्त करते हुए कहा कि कानून का सम्मान किया जाना चाहिए ताकि हमारे लोकतंत्र की बुनियाद एवं उसकी संरचना बरकरार रहे और साथ ही मजबूती के साथ खड़ी रहे। भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का भी कहना है कि लोकतंत्र में जनमत हमेशा निर्णायक होता है और हमें इसे विनम्रता से स्वीकार करना पड़ेगा। हम सभी देशवासियों को प्रजातंत्र की सफलता हेतु सजग एवं सचेत रहकर अपने अधिकारों का सदुपयोग करते हुए अपने कर्तव्यों का भी पूर्ण निष्ठा से पालन करना होगा। जवाहरलाल नेहरु जी ने भी कहा था कि प्रजातंत्र और समाजवाद लक्ष्य पाने के साधन हैं, स्वयं लक्ष्य नहीं। भारत के संदर्भ में लोकतंत्र है प्रजातंत्र के बारे में यही कहा जा सकता है कि यदि जनता अशिक्षित हो या अधिक समझदार ना हो तब प्रजातंत्र की खामियां सबसे ज्यादा सामने आती है। यदि जनता अति शिक्षित एवं समझदार है तो इसे सर्वोत्तम शासन व्यवस्था कहा जा सकता है क्योंकि किस प्रणाली में जनता को अपनी बात रखने का पूर्ण अधिकार प्राप्त होता है। प्रजातंत्र की सफलता के लिए जनता को सजग एवं सचेत रहकर अपने अधिकारों का सदुपयोग कर अपने कर्तव्यों का भी निष्ठा से पालन करना चाहिए।

एएमयू में छात्रों की गुंडई का वीडियो वायरल, पहले बेल्ट से जमकर पीटा फिर जूतों पर रगड़वाई नाक

अलीगढ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश की अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के छात्रों की गुंडई का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में समुदाय विशेष के छात्रों ने सुलेमान हॉस्टल में ले जाकर हिंदू युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की वारदात को अंजाम दिया। युवक के साथ बेल्ट से मारपीट करने वाले छात्र का नाम जैद मोहम्मदी बताया जा रहा है। मारपीट के दौरान वायरल वीडियो में छात्र नेता फरहान जुबेरी भी बैठा हुआ नजर आ रहा है। इतना ही नहीं हिंदू युवक से समुदाय विशेष के छात्रों ने जूतों में नाक भी रगड़वाई है। वायरल वीडियो 1 महीने पुराना है, बताया यह भी जा रहा है पुलिस ने महज 151 की कार्रवाई करके खानापूर्ति कर दी है। सिविल लाइन थाना इलाके के एएमयू के सुलेमान हॉल का वायरल वीडियो बताया जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, वायरल वीडियो को लेकर करणी सेना के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि देखिए एक यह वीडियो है जो काफी वायरल हो रहा है। जिसमें एएमयू कैंपस में एक गरीब व्यक्ति के साथ बेरहमी से मारपीट की जा रही है। कुछ छात्र उसके साथ मारपीट कर रहे हैं यह बेहद शर्मनाक और दर्दनाक घटना है। जिस तरीके से उसके साथ मारपीट की गई है और अपने पैरों में नाक रगड़वाई गई है इसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया है।

खेत-खलिहान से

जनवीणा के इस अंक से यह स्थायी स्तम्भ खेत-खलिहान से आरंभ हो रहा है। प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक और कृषि सम्बन्धी अनेक पुस्तकों के लेखक डा. कमलेश कुमार पाठक द्वारा प्रत्येक अंक में खेतों से जुड़ी बातें, यथा- अनाज, दालें, कृषि उत्पाद, फल-सब्जी, मसाले आदि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की जायेंगी। आरंभिक कड़ी में आइये जानते हैं क्रमशः साग-भाजी के बारे में।

डा. के.के.पाठक, कृषि वैज्ञानिक
मो. 7004666843

प्याज साग :

प्याज के साग में स्वास्थ्यवर्द्धक कई पोषक तत्व पाये जाते हैं। विशेषकर इसमें फास्फोरस, कैल्सियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम, मैगजीन, क्रोमियम, कापर, प्रोटीन, सोडियम, कार्बोहाइड्रेट, ऊर्जा, बेरियम, यलुमिनियम, फेरिक, विटामिन बी-6, निकोटीनिक एसिड, थायमिन, विटामिन-सी, पैन्टोथेनिक एसिड, फोलिक, राईबोफ्लेविन, बयोटीन, रेटिनाल जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व की प्रचुरता में पाई गयी है। इससे रक्तचाप व कोलेस्ट्राल को कम करने, खून में थक्का बनने से रोकने वाले गुण पाये जाते हैं जिससे हार्ट अटैक की सम्भावनाएं कम हो जाती हैं। इसमें एलिल सल्फाईड नामक कम्पन्ड पाया जाता है जो कैन्सर सेल के विकास को रोकता है। साथ ही एन्टीआक्सीडेंट होने के कारण मोटापे से होने वाले मधुमेह को नियन्त्रित रखता है। इसके अलावा आंखों की सभी समस्याओं में प्याज का साग बहुउपयोगी है और इसमें हड्डियों को मजबूत करने वाले तत्व पाये जाने के कारण यह हमारे स्वास्थ्य के लिये बहुत ही महत्वपूर्ण है।

सनई साग :

सनई जूट फसल है लेकिन इसके फूल का साग पूरे देश में बड़े चाव से खाया जाता है। सनई के फूल में अनेक औषधीय गुण हैं जिससे हमारे जीवन में इसकी उपयोगिता और बढ़ जाती है। इसमें फास्फोरस, पोटैशियम, कैल्शियम, फाईबर, प्रोटीन, फेनोल, मैगजीन एवं सोडियम की प्रचुरता होती है। इसमें इनिमिया और किडनी के दर्द में फायदा पंहुचाने वाले गुण पाये जाते हैं। इसमें पाये जाने वाले कैल्सियम के कारण हृदय की धड़कन को सामान्य बनाये रखने के साथ मांसपेशियों की क्रियाशीलता में सहायक पाया गया है। यह मोटापा और मधुमेह में फायदेमंद है। इसमें पाया जाने वाला फाईबर पेट की बीमारियों में लाभदायक सिद्ध हुआ है। इसमें कुछ ऐसे तत्व भी होते हैं जो कैन्सर जैसी घातक बीमारी से लड़ने में मददगार हैं।

अरवी साग :

अरवी को घुइंया भी कहा जाता है। इसके पत्ते की सब्जी व पकौड़े भी बनाये जाते हैं। इसका साग स्वादिष्ट एवं स्वास्थ्यवर्द्धक होता है। अरवी के पत्तों में विटामिन ए, विटामिन सी, खनिज लवण, कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन, विटाकैरोटिन, पोटैशियम, फोलिक एसिड, स्कर्बिक एसिड, रैबोफ्लेबीन एवं कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है, जिनका हमारे दैनिक जीवन में बड़ा योगदान है। इसके पत्तों में पेट को साफ करने का गुण होता है साथ ही आंतों की ऐंठन, दर्द व कब्ज से राहत मिलती है। यह पेट में होने वाले कोलेन कैन्सर की सम्भावना को खत्म का देता है। लाल रक्त कोशिकाओं के विकास में मदद करता है जिससे आक्सीजन का परिवहन सुचारु बना रहता है, जो उच्च रक्तचाप के दुष्प्रभाव को कम करने के साथ थकान को भी दूर करता है। अन्धापन, मोतियाबिंद व आंख की सभी बीमारियों में यह लाभदायक पाया गया है। इसमें पाये जाने वाले फोलिक एसिड के कारण इसका भ्रूण, मस्तिष्क, तंत्रिका तंत्र के विकास में बहुत बड़ा योगदान है। साथ ही यह पुरुषो में शुक्राणुओं की संख्या को भी बढ़ाता है।

(शेष अगले अंक में)

पीयूष गोयल का तंज अत्यंत निंदनीय: अंगारा

लखनऊ (यूएनएस)। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने काले कपड़ों पर जो तंज किया है। अत्यंत निंदनीय है। राजद के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष और कायस्थ चित्रगुप्त महासभा के प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव अंगारा ने पीयूष गोयल के कथन पर आपत्ति जताते हुए कहा कि उन्होंने यह कहकर कि काले कपड़े जो पहनते हैं उनका तन और मन दोनों काले होते हैं, उन्होंने राजनीतिक नेताओं को ही नही अधिवक्ताओ का भी अपमान किया है।

लघु कथा

बस आती हूं पापा!

अर्चना गुप्ता

दूर कहीं से यह गीत सुनाई दे रहा था- अबके बरस भेजो भैया को बाबुल... सुनते ही रिया कहीं खो सी गई और उसका मन मचल उठा। अपने मम्मी-पापा के घर जाने के लिये और मचले भी क्यूँ ना ? सावन का महीना, घुमड़ते बादल, बारिश की बूंदे और इन सबसे ऊपर अपने मायके की दुलारी बेटी। प्यार-दुलार के साथ सहयोगी, स्वावलम्बी, घर-बाहर को सम्हालने वाली, पढ़ी-लिखी, अच्छी नौकरी, देखने में लम्बी खूबसूरत और बातचीच में आत्म-विश्वास। भला ऐसी बेटी किसको प्रिय नहीं होगी। रिया ने ऑफिस जाकर सीनियर मैनेजर से बात की, उनकी सहमति मिलते ही उसने अपने जीवन साथी रीतेश से अपनी इच्छा बतायी। रीतेश ने भी मना नहीं किया। रिया खुश थी कि रीतेश अपने परिवार के साथ ही उसका भी ध्यान रखता है। वह घर में भी शांति रखने मे मदद करता है। उसका जीवन सरल गति से आगे बढ़ रहा था।

पर इस धुन ने उसको विकल कर दिया क्योंकि वह विवाह (जिसको अभी कुछ ही साल हुये थे) के बाद अपने परिवार, पति, नौकरी, घर आदि को सम्हालते हुए कुछ-कुछ तनाव में भी रहने लगी थी, थक भी जाती थी। ऐसे में उसे अपने प्यारे मम्मी-पापा से बढ़कर कोई टॉनिक नहीं समझ आया। रिया ने तुरंत ही फ्लाइट की टिकट बुक कराकर अपनी माँ को बताया कि वह दो दिन बाद उनके पास कुछ दिन के लिए रहने आ रही है। रिया की माँ भी यह समाचार पाकर बेहद खुश और उत्साहित थी क्योंकि रिया की ऊर्जा देखकर उनमें भी स्फूर्ति का संचार हो जाता था। वह भी रिया का इन्तजार करने लगी। काश! कि हर स्त्री दूसरी स्त्री में इसी मधुर रिश्ते को ध्यान में रखते हुए एक-दूसरे के दुःख-सुख को भी समझने लगे। किन्हीं दो परिवारों ये विषमता देखने को मिल जाती है। चाहें वह रिश्ता सास- बहू, देवरानी-जेठानी, ननद-भाभी का ही क्यों ना हो। ससुराल में हर बेटी को कभी न कभी इन रिश्तों की ऊँच-नीच से रूबरू होना पड़ता है। पर माँ-बेटी का रिश्ता सबसे खूबसूरत और अलहदा होता है। रिया का मन रीतेश और अपने पालतू डॉग जिसे वह बहुत प्यार करती थी, छोड़कर जाने का मन तो नहीं कर रहा था पर फिर भी उसने रिया को प्यार से टैक्सी में बिठाकर विदा किया। एयरपोर्ट दूर था, तो वह टैक्सी मे बैठकर अपने बचपन की स्मृतियों में खो गई। स्कूल-कॉलेज के दिन, वहाँ की सहेलियाँ, कॉलोनी की आन्टियाँ और उनके बच्चे, जिनके साथ वह खेला करती थी। पापा का प्यार भी ऊँगली पकड़कर चलाने से लेकर साईकिल चलाने तक, धीरे बोलने वाले उसके पापा ने शायद ही कभी डांटा हो- उसे याद नहीं। मम्मी ने उसके हर शौक को पूरा किया। हर छोटी छोटी बात बताना उसकी दिनचर्या का हिस्सा होती थी। उसकी छोटी बहन और प्यारा छोटा भाई जो उम्र में उससे बहुत ही छोटा था, उनके साथ मस्ती करते हुये वह अपने बचपन की मधुर स्मृतियों में खो गई।

मैडम, एयरपोर्ट आ गया, तो एकदम उसकी चैतन्यता लौटी। पैसे देकर एयरपोर्ट की सारी फॉरमेलिटीज पूरी करके वह फ्लाइट में बैठने को बेसब्र हो रही थी। अन्ततः फ्लाइट का एनाउन्समेन्ट होते ही रिया भी अपनी सीट पर जा बैठी और धीरे-धीरे हवाई जहाज भी अपने गन्तव्य की ओर उड़ चला। रुई के गोले जैसे बादलों को देखकर रिया पुनः यादों की नाव में बैठकर तैरने लगी। एक वर्ष पूर्व का दृश्य उसकी आँखों के सामने चलचित्र की भाँति आकर ठहर गया, जब घर के दरवाजे पर मम्मी-पापा बहिन और छोटे भाई की आँखों में एक ही प्रश्न था, बेटी, कब आओगी, जल्दी ही आना। छोटे भाई का लिपटना- दीदी कब आओगी ? एक बाल सुलभ मनोवृत्ति, क्योंकि रिया उसकी खाने-पीने की हर इच्छा जो पूरी करती थी। उसे पता ही नहीं चला कि कब आँसू की दो बूँद छलक कर उसके गालों पर आ गई। तभी एयरहोस्टेस की आवाज गूँजी- कृपया अपनी-अपनी बेल्ट बाँध लें, लखनऊ आने ही वाला है। जैसे स्वप्न टूट गया हो... उसे अपने शहर की सुगन्ध महसूस होने लगी। वहाँ की माटी और उससे लबरेज़ हर उस चीज को स्पर्श करने की चाहत, जिसे वह छोड़ गई थी। रितेश को ही सर्वस्व समझ उसकी दुनिया में वह डूब गई थी।

फ्लाइट रुकते ही रिया ने बाहर आकर एक गहरी साँस ली। अपने शहर को देखा और खुद से ही अपनी खुशी का इजहार किया। चेहरे पर मुस्कुराहट का भाव उमड़ आया और तभी मोबाइल की घंटी बजी। रिया बेटा, स्वागत है, मैं बाहर इन्तजार कर रहा हूँ। पापा, लव यू, बस आती हूँ पापा। शायद बेटियाँ ऐसी ही होती हैं।

कारगिल विजय गाथा

कारगिल में करी जिसने कुर्बानियां,
उन्हें शत नमन इस जतन के लिए।

पाक ने हिंद पर आक्रमण किया,
वीरों ने वीरता से पराजित किया।
जान करतल पे रखके लड़ते रहे,
काल बन टूट पड़े दुश्मन के लिए।।

गोली तोपों की बौछार होती रही,
हिंद शरहद सपूतों को खोती रही।
कारगिल में लड़ें वे प्रबल शक्ति से-
रक्त से सींच क्यारी सुमन के लिए।।

भारत मां को हृदय से ध्याते गये,
वीर जय हिन्द के गीत गाते गाये।
तन में गोली लगी धीर लड़ते रहे-
प्राण हर्षित लुटाया वतन के
लिए ।।

प्रहरी शरहद कर्तव्य निभाते रहे,
रिपु दल हिन्द सैनिक गिराते रहे।
धन्य है हिंद की माटी में मिल गये-
खाद बन कल की फसल के
लिए।।

हो गया वो अमर देश पर जो मरा,
आज उनके लहू से ही तीरथ धरा।
पुष्प अर्पित शहीदों के पद में करें-
हुई कारगिल विजय वतन के
लिए।।

कारगिल में करी जिसने
कुर्बानियां,
उन्हें शत नमन इस जतन के लिए।
देशभक्ति कमल चित मनन के
लिए,
उन्हें शत नमन इस जतन के लिए।

सौरभ कमल बाराबंकवी
ल.वि.प्रा.गोमतीनगर, लखनऊ
संपर्क सूत्र -9554758655

कमतर हुआ है जनोपयोगी साहित्य का फलक

प्रेमचंद जयंती (31 जुलाई) पर विशेष

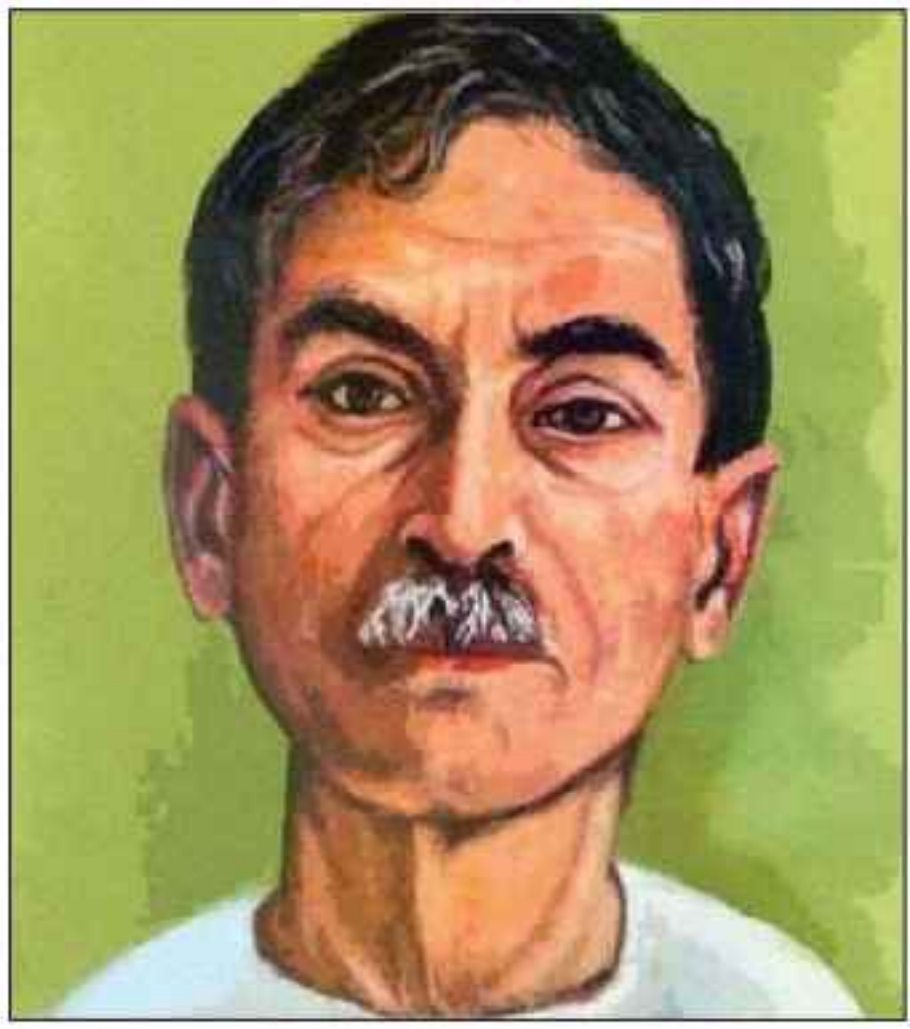

किसी भी देश की संस्कृति और उसका इतिहास जानने का माध्यम साहित्य की विधा रही है।लेखन, पुनर्लेखन के ज़रिये हिंदुस्तान का साहित्य प्राचीन से लेकर अब तक अपनी गौरवशाली यात्रा का दस्तावेज़ रहा है। ऋषि, मुनियों से लेकर आधुनिक साहित्यकारों तक भारत का साहित्य बहुत समृद्ध रहा है।सृजन की एक लम्बी यात्रा है और यह भी शाश्वत है कि किसी देश को पढ़ना हो, उसकी कला, संस्कृति, विरासत से परिचित होना हो, तो साहित्य जगत में अपने को खपाना होगा। साहित्य की विधा वैज्ञानिक रूप से संभावनाओं और असंभावनाओं की पड़ताल करती हैं।समाज, व्यवस्था और राजनीति का जो विद्रूप चेहरा है, उसे यथार्थ और वास्तविक चिंतन से जोड़कर पाठकों और सामाजिकों को जोड़ने का काम करती हैं।

कहा जाता है जब व्यवस्थाएं पटरी से उतरती हैं तो उसे पटरी पर लाने का काम साहित्य ही करता है। मनुष्य के सामने आज की आपाधापी में बहुत सारे संकट और तनाव हैं, ऐसे में किताबें उसका मार्गदर्शन करती हैं। पाठक और पुस्तक एक दूसरे के पूरक हैं। साहित्य मनुष्य की सोच और उसकी मनोवृति को बदलने का काम करता है। समाज और व्यवस्था में जब-जब जड़ता-शून्यता की स्थिति पैदा होती है, उसे तोड़ने का काम करता है।

भारत की समृद्ध साहित्य गौरवशाली परम्परा में हिंदी साहित्य का अपना विशिष्ट स्थान है। हालांकि हिंदी साहित्य बहुत प्राचीन नहीं है, लेकिन डेढ़ से दो शताब्दी हिंदी साहित्य के नाम रहा है और आगे भी जारी है।एक से एक स्वमान्य धन्य कवि, साहित्यकार, लेखक हिंदी साहित्य की जमीन पर पैदा हुए और हिंदी साहित्य विशेष ऊचाइयां दीं। हम आज उन नामों का यहां जिक्र नहीं कर रहे हैं। चूंकि बात प्रेमचंद की ज़मीन पर होनी है, इसलिये हम प्रेमचंद की जयंती के बहाने हिंदी साहित्य पर चर्चा करेंगे।

हिंदी हो या उर्दू दोनों भाषाओं में प्रेमचंद का जो भी समग्र संसार है, वह अद्भुत है। बेजोड़ लेखक, कथाकार, साहित्यकार प्रेमचंद जैसा व्यक्तित्व और कृतित्व भारतीय साहित्य की दुनिया में न हुआ है, और न शायद आगे होगा।आम आदमी की तकलीफों को प्रेमचंद ने अपनी लेखनी में सर्वोपरि रखा। दलितों पर दमन को केंद्र बिंदु रखकर अपनी लेखनी को औजार बनाया। बच्चे से वयस्क तक उनकी कलम की धुरी बने रहे। प्रेमचंद की खासियत है कि वह मनुष्य की नब्ज़ को बेहतर से संभाल कर रखते हैं। आपसी रिश्ते, परिवार, संवेदनशीलता उनके कथा साहित्य का मर्म है। सैकड़ों कहानियां, उपन्यास उनके जीवन के समग्र रचना संसार से भरा पड़ा है। बेजोड़ लेखनी के धनी प्रेमचंद्र पाठकों को उसकी अंतरात्मा से जोड़ कर रखते हैं।प्रेमचंद को पढ़ने का मतलब है कि वह आपके जीवन से आपकी कथाओं से आपकी संवेदना से जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि कई दशक बीत जाने के बाद भी प्रेमचंद का कथा संसार पूरी प्रासंगिकता के साथ लोगों के बीच मौजूद है।

हिंदी साहित्य में सबसे ज्यादा पढ़े जाने वाले प्रेमचंद आज भी लोगों के बीच कथा, उपन्यास को लेकर चर्चा का केंद्रबिंदु हैं। प्रेमचंद को जब-जब पढ़ा जाता है, नये संदर्भ, नये सवाल और साहित्य में मौजूद मौजूं सवालों से हल तलाशने और टकराने की दिशा तय होती है। आज जब साहित्य के मायने बदले हैं, डिजिटल युग में लगभग हर तीसरा साहित्यकार/रचनाकार पैदा हुआ है, उसके बावजूद साहित्य विधा अधोगति को प्राप्त हो रही है। कारण जो भी हों, तो लिखा जा रहा है, वह टिकाऊ या लोगों को हजम क्यों नहीं हो पा रहा है? जाहिर है हिंदी साहित्य लिखने और छपने से भरा पड़ा है। फिर भी कोई उपन्यास या कथा लोगों के बीच चर्चा का केंद्र नहीं बन पा रही है। वर्तमान व्यवस्था में जो पीड़ित समुदाय है, वह साहित्य में हाशिए पर ठहरा हुआ है। जबकि उसे मेन स्ट्रीम में होना चाहिए। रहस्य, रोमांच, फैंटसी, अपसंस्कृति, अयथार्थवादी साहित्य लोगों के बीच फल-फूल रहा है। नयी पीढ़ी और बाजार इसी साहित्य का है।अगर कोर्स में देश के मूर्द्धन्य साहित्यकार न पढ़ाएं जायें तो आज की पीढ़ी इनसे अपरचित ही रहे। हालांकि साहित्य की इन तमाम स्थितियों, परिस्थितियों के बावजूद प्रेमचंद का लेखन आज भी लोगों के बीच अपनी अमिटता के साथ मौजूद है।

जैसे-जैसे राजनैतिक व्यवस्थाएं संचालित होती हैं, वैसे-वैसे साहित्य भी अपनी धार तेजतर करता है। राजनीति और साहित्य एक दूसरे के पूरक है।व्यवस्थाओं की जब अव्यवस्थाएं फैलती हैं तो साहित्य उसे दुरुस्त और दिशा देने का काम करता है।लेकिन अक्सर साहित्य की विधा में जड़ता आ जाती है और यही जड़ता सामाजिक बदलाव की प्रक्रिया में पतनोन्मुखी साबित होती है। चूंकि साहित्य का एक पूरा बाजार है तो खेमेंबन्दी भी है। अलग-अलग राजनैतिक बिसात पर साहित्यकार गुटबंदी करता है।पुरुस्कार, राजनीति, जोड़तोड़, पदलिप्सा आज के साहित्यकारों में अधिक है और जन सरोकारों को लेकर मौजूदा चुनौतियों पर इनकी पकड़ ढीली है।

मुंशी प्रेमचंद इस मायने में धनी व्यक्तित्व थे। उन्होंने कभी अपने निजी जीवन से या लेखन से कोई समझौता नहीं किया। यही कारण है कि वह आज भी जीवन्त है। विभिन्न भाषाओं में उनकी कहानियों और उपन्यासों का अनुवाद हुआ। हम यहां पर उनकी दो-तीन कहानियों की मार्मिकता और संवेदनशीलता का चित्र उकेर रहे हैं, जो शायद आपसे ही प्रश्न करे। ईदगाह कहानी में एक बच्चा जो बड़े नहीं सोच सकते हैं, वह सोच अपनी कलम से मुंशी प्रेमचंद जी ने बच्चे में पैदा कर दी। कहने का मतलब इतनी भावुक, मर्मस्पर्शी कहानी आज के बच्चों के बीच जीवन्त की जानी चाहिए। इसी प्रकार मंत्र कहानी आज मूल्यों में आई गिरावट के प्रति हमें झकझोंरती है कि हम क्या से क्या होते जा रहें हैं। मनुष्य होने का गौरव पतित हुआ है। पूस की रात में तो प्रेमचंद्र जी ने गरीबी, शीत के बीच इंसान और जानवर की जुगलबंदी का जो वास्तविक चित्रण प्रस्तुत किया है, वह रोंगटे खड़े कर देता है। कर्मकांड, क्रियाकर्म से उपजी तथाकथित अमानवीय संवेदनाओं को उनकी इतर कहानियों में देखा और समझा जा सकता हैं। गोदान-कर्बला-कर्मभूमि जैसे उपन्यास अपनी शाश्वतता के साथ मौजूद हैं। प्रेमचंद की स्मृति को कोटिश: नमन।

-अनिल मिश्रा गुरुजी
9335556115

आईआईएलएम लखनऊ में 3 दिवसीय एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन

लखनऊ (यूएनएस)। आईआईएलएम एकेडमी ऑफहायर लर्निंग, लखनऊ में ''बिजनेस में भविष्य के रुझान ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी'' पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंदौर द्वारा किया गया। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 3 दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें पूरे भारत और विदेशों के शिक्षाविदों और शोध विद्वानों द्वारा 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।मुख्य अतिथि के साथ मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस.पी. सिंह, वाइस चांसलर रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी और सम्मेलन की संरक्षक डॉ. नाएला रुश्दी, निदेशक आईआईएलएम, लखनऊ ने भी उद्घाटन में हिस्सा लिया। सम्मेलन समन्वयक डॉ. शीतल शर्मा, डीन आईआईएलएम लखनऊ, सम्मेलन संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर आईआईएलएम लखनऊ ने भी मंच की शोभा बढ़ाई। एआईसीटीई प्रायोजित इस वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में भारत और विदेश के कई लेखक मार्केटिंग और सेल्स, एच.आर. और ओ.बी., फाइनेन्स और एकाउन्टिंग, आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे, जो सात तकनीकी सत्रों के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे।

जिनकी अध्यक्षता प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा की जाएगी और आईआईएलएम संकाय सदस्यों द्वारा संचालित किया जाएगा। अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंदौर ने सामाजिक प्रभाव को फिर से परिभाषित करने में सहयोग की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि व्यवसायों को विशुद्ध रूप से लेन-देन से अधिक सामाजिक रूप से जागरूक और सहानुभूतिपूर्ण होने की ओर बढ़ने की आवश्यकता है। मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस.पी. सिंह, कुलपति, रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी ने आज के कारोबारी माहौल में कई रुझानों की व्याख्या की, जिसमें उत्पाद जीवन चक्र को छोटा करना, ज्ञान अर्थव्यवस्था और इसके चार स्तंभों का विकास, एआई और स्थिरता जैसी प्रौद्योगिकी का महत्व शामिल है। सम्मेलन की संरक्षक डॉ. नाएला रुश्दी, निदेशक, आईआईएलएम, लखनऊ ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और कहा कि आईआईएलएम प्रबंधन के क्षेत्र में पथ- प्रदर्शक, अनुप्रयोग उन्मुख अनुसंधान के लिए प्रतिबद्ध है। विशेष रूप से हम ऐसे अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो शिक्षण सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाता है और छात्रों और उद्योग को लाभान्वित करता है।

सम्मेलन समन्वयक डॉ. शीतल शर्मा, डीन आईआईएलएम लखनऊ ने भी अतिथियों का स्वागत किया और सम्मेलन का कॉन्सेप्ट नोट साझा किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 4 अलग-अलग एरिया में 58 शोध पत्र प्राप्त हुए हैं, और समापन सत्र के दौरान 4 सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार दिए जाएंगे। सम्मेलन संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएलएम लखनऊ ने कहा कि आईआईएलएम, लखनऊ द्वारा आयोजित किए जा रहे एआईसीटीई प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को आयोजन समिति के सदस्यों के सक्रिय समर्थन से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें संकाय सदस्य डॉ नेहा तिवारी, प्रोफेसर तौसीफ इरफान, प्रोफेसर आशीष महेंद्रा और प्रोफेसर तापसी श्रीवास्तव शामिल हैं।

यूपी में जलमार्ग परिवहन का होगा विस्तार,सीएम योगी ने अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण बनाने के दिए निर्देश

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश में जलमार्ग को बढ़ावा देने के लिए सरकार अब अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण का गठन करेगी। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज ट्रांसपोर्ट विभाग समेत अन्य विभागों के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की। और प्रदेश में जलमार्गों के विकास पर विमर्श किया और अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के गठन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उत्तर प्रदेश में जलमार्ग परिवहन का तेजी से विस्तार हो रहा है। प्रयागराज से हल्दिया तक राष्ट्रीय जलमार्ग क्रियाशील है। अंतर्देशीय जल परिवहन में यात्रियों और कार्गो दोनों के लिये परिवहन के एक साधन के रूप में प्रदेश में अपार संभावनाएँ हैं। हमें इसे विस्तार देना होगा। उत्तर प्रदेश सदानीरा नदियों का प्रदेश है। यहां अधिकांश नदियों में हर समय नदियों में पर्याप्त जल उपलब्ध रहता है। प्रदेश में जल परिवहन की प्राचीन परंपरा रही है। एक समय था कि जब अयोध्या की राजकुमारी जलमार्ग से ही दक्षिण कोरिया गई थी। बदलते समय के साथ इस सेक्टर को उपेक्षित कर दिया गया। प्रदेश में जलमार्गों के सृजन विकास और उन्हें यातायात व माल ढुलाई के लिए प्रयोग में लाने के लिए ठोस प्रयास करने की आवश्यकता है। इसे नियोजित रूप देते हुए प्रदेश में अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के गठन किया जाना चाहिए। इस संबंध में राष्ट्रीय जलमार्ग प्राधिकरण और अन्य राज्यों में प्रचलित व्यवस्था का अध्ययन कर आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करें। यह प्राधिकरण नोडल अथॉरिटी के रूप में भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के साथ समन्वय का कार्य करेगा। प्राधिकरण द्वारा अंतर्देशीय जल परिवहन एवं पर्यटन संबंधित समस्त गतिविधियों का रेगुलेशन किया जाएगा, साथ ही, जल परिवहन से संबंधित पर्यावरण एवं सुरक्षा कानूनों का अनुपालन, जलमार्गों के विकास एवं बेहतर उपयोग हेतु हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण एवं जांच की जिम्मेदारी का निर्वहन भी करेगा। उच्च अधकारियों के साथ किए गए बैठक के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्राधिकरण द्वारा अंतर्देशीय जल यातायात डेटा का अध्ययन एवं विश्लेषण किया जाना चाहिए। अंतर्देशीय जल परिवहन, पर्यटन एवं शिपिंग तथा नेविगेशन संबंधित गतिविधियों के संबंध में वैज्ञानिक अनुसंधान किया जाए। अंतर्देशीय जल परिवहन से संबंधित स्टेकहोल्डर्स एवं अधिकारियों और कर्मचारियों का तकनीकी प्रशिक्षण भी कराया जाए। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया कि अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण में परिवहन मंत्री को पदेन अध्यक्ष के रूप में नामित किया जाना चाहिए, जबकि उपाध्यक्ष के रूप में जल परिवहन क्षेत्र में सुदीर्घ अनुभव रखने वाले विशेषज्ञ की तैनाती की जानी चाहिए। प्रदेश के ट्रांसपोर्ट कमिश्नर को प्राधिकरण के सीईओ की भूमिका दी जानी चाहिए। इसके अलावा, वित्त, संस्कृति, सिंचाई तथा वन सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को बतौर सदस्य सम्मिलित किया जाना चाहिए। जल मार्गों को बढ़ावा देने के लिए जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरफसे प्राधिकरण बनाने के निर्देश दिए गए हैं तो वहीं दूसरी तरफसीएम योगी ने कहा की नदियों के कैचमेंट एरिया में अवैध खनन कतई न हो। इसके लिए सतर्क रहें। नदियों के चौनेलाइजेशन, सिल्ट सफाई का कार्य समय से किया जाए।

संत गाडगे प्रेक्षागृह में गौरैया संस्कृति संस्थान आयोजित कार्यक्रम मे रामष्टक दृष्टि बाधित गायक युवक को सम्मानित करती महापौर सुषमा खर्कवाल व अन्य संस्था की सदस्याएं

एक महीने का भी बिल बाकी तो गुल होगी बिजली

लखनऊ (यूएनएस)। घाटे और बकायेदारों से जूझ रहे पावर कारपोरेशन लिमिटेड ने नई व्यवस्था शुरू की है। अब एक महीने का भी बिल बकाया हुआ तो कनेक्शन काट दिया जाएगा। पहले बिजली कनेक्शन काटने की लिमिट 10 हजार रुपये बकाया होने की थी ,लेकिन राजस्व वसूली से जूझ रहे मध्यांचल विद्युत् वितरण निगम ने अब यह कदम उठाया है। अगर बिजली का बिल 1000 रुपये भी है और आपने उसे जमा करने की आखिरी तिथि तक भुगतान नहीं किया तो कनेक्शन काट दिया जाएगा

कहा जा रहा है कि बड़े बकायेदारों से वसूली न कर पाने की वजह से अब छोटे बकायेदारों पर भी सख्ती की जा रही है। इसलिए 10 हजार तक की सीमा को समाप्त कर दिया गया है। अब आप महीने जितनी बिजली खर्च कर रहे हैं अगर उसका भुगतान नहीं किया तो कनेक्शन काटना तय है। लेसा की बकायेदारों की सूची तैयार है।निदेशक वाणिज्य योगेश कुमार के मुताबिक बड़े बकायेदारों के साथ ही एक महीने का बिल भी अगर बाकी है और समय से जमा नहीं किया गया तो कनेक्शन काट दिया जाएगा। 50 प्रतिशत से अधिक लाइन लॉस वाले इलाकों की जांच करवाई जाएगी। लखनऊ के हर खंड में बकाएदार मौजूद हैं जो बिजली का तो भरपूर इस्तेमाल कर रहे हैं लेकिन बिल देने की बारी आती है तो समय से नहीं देते। अब कनेक्शन काटने की तैयारी है।

आदिवासी विरोधी है वन संरक्षण अधिनियम

लखनऊ (यूएनएस)। कल लोकसभा में पारित किए गए वन संरक्षण संशोधन अधिनियम 2023 को ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट ने आदिवासी और पर्यावरण विरोधी करार दिया है। आईपीएफके प्रदेश महासचिव दिनकर कपूर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को ट्वीट कर हस्तक्षेप करने और केंद्र सरकार को इस कानून को वापस लेने का निर्देश देने की अपील की है। प्रेस को जारी अपने बयान में आईपीएफ नेता ने कहा नया वन संरक्षण संशोधन बिल कारपोरेट घरानों को वन भूमि उपलब्ध कराने के लिए मोदी सरकार द्वारा लाया गया है। यह कानून वन अधिकार कानून 2006 को कमजोर कर देगा और वनाधिकार कानून से आदिवासियों के हाथों में आई जमीनों को छीनने का काम करेगा। यह यह दुखद है कि आदिवासी और पर्यावरण विरोधी इस कानून को पास कराने के लिए मोदी सरकार हड़बड़ी में है। कल जब संसद में मणिपुर हिंसा के खिलाफहंगामा हो रहा था उसी बीच महज चार सांसदों से बात रखवा कर 40 मिनट में सरकार ने इस बिल को लोकसभा में पास करा दिया। इसके पहले भी संसद के बहुतायत सदस्यों की राय के बावजूद सरकार ने इसे स्थाई समिति को भेजने की जगह भाजपा की बहुमत वाली संसदीय समिति को भेजा।

जिसने बिना किसी स्टेक होल्डर से बात किए और न सभी पार्टियों की राय लिए बिल को लोकसभा में पेश करने के लिए कहा। यह भी गौरतलब है कि सरकार के खुद बनाए हुए एससी-एसटी कमीशन ने इस बिल का विरोध किया था और कहा था कि यह आदिवासी अधिकारों पर बड़े पैमाने पर हमला करेगा। लेकिन उसकी आपत्ति को भी सरकार ने नहीं सुना। यही नहीं इस बिल से उत्तर पूर्व के मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, मणिपुर और त्रिपुरा जैसे वनाच्छादित राज्यों में बड़े पैमाने पर वनों का नुकसान होगा। सरकार ने वनों के संरक्षण के लिए 1996 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा गोदावरमन केस में दिए आदेशों को भी इस कानून के जरिए दरकिनार कर दिया।

अखिलेश यादव समेत कई अन्य विपक्षी नेताओं ने संजय सिंह से मुलाकात

लखनऊ (यूएनएस)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला और जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फललन सिंह ने मानसून सत्र के शेष हिस्से के लिए राज्यसभा से निलंबित किए गए आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह से बृहस्पतिवार को मुलाकात कर उनके प्रति समर्थन जताया। अपने निलंबन के खिलाफसंजय सिंह संसद परिसर में ही धरने पर बैठे हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि मणिपुर के विषय पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संसद के भीतर बोलना चाहिए। उन्होंने संजय सिंह से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, ''मैं संजय सिंह जी और उन तमाम सांसदों का समर्थन करता हूं जो मणिपुर की घटना पर संसद में बहस चाहते हैं। प्रधानमंत्री जी अपना बयान दें। भाजपा के लोग हर बात को बोलते हैं, उन्हें कम से कम मणिपुर की घटना पर बोलना चाहिए।श्श् यादव ने मणिपुर में महिलाओं की निर्वस्त्र परेड वाले वीडियो के संदर्भ में कहा कि महिलाओं के खिलाफइस तरह का व्यवहार नहीं होना चाहिए। सपा प्रमुख ने आप सांसद सिंह से कहा, ''लड़ते रहिए। फारूक अब्दुल्ला भी संजय सिंह के समर्थन में उनके साथ कुछ देर धरनास्थल पर बैठे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से वृद्धा और तीन बेटियों की मौत चौथी की हालत गंभीर; सीएम योगी ने जताया दुख

कानपुर। सीओ दीपक सिंह ने बताया कि मार्ग दुर्घटना में मृतक धनीराम की पत्नी और उसकी तीन बेटियों की मौत हुई है। चौथी बेटी घायल है। एम्बुलेंस के आसपास अन्य कोई भी पड़ा नहीं मिला है।

उन्नाव जिले के मोहनलालगंज-पुरवा मार्ग पर तुसरौर गांव के पास अज्ञात वाहन ने शव लेकर जा रही निजी एम्बुलेंस में टक्कर मार दी। हादसे में मृतक की पत्नी और उसकी तीन बेटियों की मौत हो गई। वहीं, चौथी बेटी की हालत गंभीर है। उसका कानपुर के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

हादसे की सूचना पर एसपी, एएसपी, सीओ सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पंचनामा की कार्रवाई कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। टक्कर इतनी तेज थी कि एम्बुलेंस के परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद एम्बुलेंस चालक भाग निकला। उसको पकड़ने के लिए टीमें लगी हैं।

मौरावां थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी धनीराम सविता (75) सेवानिवृत्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थे। साल 2007 में वह केएनपीएन इंटर कॉलेज मौरावां से सेवानिवृत्त हुए थे। एक सप्ताह पहले पैरालिसिस का अटैक पड़ने और सांस लेने में दिक्कत होने से 24 जुलाई को परिजन जिला अस्पताल लेकर गए थे।

सुबह तीन बजे हुई थी धनीराम की मौत

वहां से कानपुर हैलट रेफर कर दिया गया था। शुक्रवार सुबह तीन बजे धनीराम इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजन प्राइवेट एम्बुलेंस से शव लेकर घर जा रहे थे। पुरवा-मोहनलालगंज मार्ग पर तुसरौर गांव के पास सुबह करीब पांच बजे अज्ञात वाहन ने एम्बुलेंस में टक्कर मारते हुए निकल गया।

हादसे में उड़ गए एम्बुलेंस के परखच्चे

टक्कर इतनी तेज थी कि एम्बुलेंस के परखच्चे उड़ गए। घटना में मृतक धनीराम के शव के साथ रही उसकी पत्नी प्रेमा (65), बेटी अंजली (35), मंजुला (40) और रूबी (30) की मौत हो गई। वहीं, सुधा (40) गंभीर रूप से घायल है। सूचना पर एसपी सिद्धार्थशंकर मीणा, एएसपी शशिशेखर और सीओ दीपक सिंह घटनास्थल पर पहुंचे।

शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा: जांच के बाद सभी शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। घायल सुधा को परिजनों ने कानपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। सीओ दीपक सिंह ने बताया कि मार्ग दुर्घटना में मृतक धनीराम की पत्नी और उसकी तीन बेटियों की मौत हुई है। चौथी बेटी घायल है। एम्बुलेंस के आसपास अन्य कोई भी पड़ा नहीं मिला है।

सीएम योगी ने जताया शोक

उन्नाव जनपद में हुए सड़क हादसे में हुई जनहानि पर गहरा शोक जताया है। उन्होंने दिवंगतों की आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही, घायलों के सही उपचार के लिए जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया है।

मोहब्बत का ऐसा अंत, कांप उठा कलेजा: अकेले घर से निकली थी रोली, फिर इस हालत में मिलीं प्रेमी-प्रेमिका की लाशें

कानपुर देहात। कानपुर देहात में भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के गौर गांव से बुधवार को लापता हुई किशोरी व युवक के शव गुरुवार की भोर मूसानगर में सरांय के पास जंगल में नीम पेड़ पर फंदे से लटके मिले। पुलिस ने सर्विलांस से मिली लोकेशन पर दोनों को खोजा। मौके पर पहुंचे एएसपी व सीओ ने छानबीन की।

फोरेंसिक टीम के साक्ष्य संकलित किए हैं। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के गौर गांव निवासी काजू की पुत्री रोली (14) बुधवार दोपहर में घर से लापता हो गई थी। काजू ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि वह पत्नी ममता व पुत्री रोशनी के साथ ससुराल रूरा क्षेत्र के ठकुरान गढ़ेवा गया था। लौटे तो घर पर पुत्री रोली नहीं मिली।

उन्होंने औरैया के दिबियापुर कंचौसी के लछियामऊ निवासी रिश्तेदार छोटू (18) पुत्र अशर्फीलाल पर पुत्री को बहलाकर ले जाने का आरोप लगाकर भोगनीपुर कोतवाली में अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसके बाद पुलिस ने युवक के मोबाइल नंबर को सर्विलांस पर लगवाकर जांच करने के साथ तलाश शुरू की।

नीम के पेड़ पर फंदे से लटके मिले थे शव

रात में सर्विलांस से उनकी लोकेशन मूसानगर क्षेत्र के सरांय के पास जंगल में मिली। इस पर भोगनीपुर कोतवाल प्रमोद शुक्ला मौके पर पहुंचे, तो दोनों के शव नीम के पेड़ पर फंदे से लटके मिले। उन्होंने उच्चाधिकारियों और मृतकों के परिजनों को सूचना दी। इस पर घटनास्थल पर पहुंचे दोनों के परिजन बिलख कर रो पड़े।

फोरेंसिक टीम ने संकलित किए हैं साक्ष्य

सूचना पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किए। वहीं, एसएसपी राजेश पांडेय और सीओ रविकांत गौड़ ने भी मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। मूसानगर थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि लापता किशोरी व युवक के शव फंदे से लटके मिले हैं। मामले में छानबीन की जा रही है। सूचना गौर गांव निवासी काजू को दी गई थी।

प्रथम दृष्ट्या प्रेम प्रसंग का मामला

उन्होंने मौके पर पहुंच कर पुत्री रोली की पहचान की। इसके बाद औरैया से युवक के परिजन पहुंचे। सीओ रविकांत गौड़ ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या प्रेम प्रसंग का मामला समझ में आ रहा है। युवक का किशोरी के घर आना जाना रहा है। दोनों आपस में रिश्तेदार भी हैं। परिजनों के विरोध पर शायद आत्महत्या का कदम उठा लिया है।

किशोरी व युवक रिश्ते में भाई-बहन: भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के गौर गांव निवासी काजू ने पहली पत्नी से तलाक के बाद विवाहित ममता से शादी की थी। वह अपने साथ दो पुत्रियों को लेकर आई थी। छोटू रिश्ते में रोली का भाई लगता था। गौर गांव निवासी काजू संखवार ने बताया कि पहली पत्नी से तलाक हो जाने के कारण उसने दूसरी शादी की थी।

बाढ़ से बीघापुर-प्रयागराज हाईवे का संपर्क मार्ग कटने का खतरा

बीघापुर। गढ़ेवा के पास गंगा नदी पुल अप्रोच रोड पर दो महीने पहले बनाया गया वैकल्पिक मार्ग, फिर ध्वस्त होने की कगार पर है। गुरुवार सुबह पानी रास्ते के ऊपर से बहने लगा। इससे कटान शुरू हो गई। सूचना पर एसडीएम राजस्व टीम के साथ पहुंचे और मिट्टी डलवाकर सैलाब को खड़ंजा मार्ग पर आने से रोकवाया। हालांकि पानी और चढ़ा तो यह कवायद भी नाकाफी साबित होगी। मालूम हो कि मार्ग कटा तो बीघापुर-प्रयागराज हाईवे का संपर्क कट जाएगा।

तहसील क्षेत्र के गंगा कटरी इलाके में कानपुर प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंचने के लिए गढ़ेवा के सामने गंगा नदी पर पुल बनाया गया था। गांव से पुल तक पहुंचने के लिए बना डामरीकृत संपर्क मार्ग तीन वर्ष पूर्व गंगा में आई बाढ़ व कटान के चलते बह गया था। दो माह पूर्व आवागमन के लिए कटान में बह गए डामर मार्ग के बगल में खेतों से खड़ंजे का वैकल्पिक मार्ग बना दिया गया था। लगातार बढ़ रहे गंगा के जलस्तर के चलते पहले मिट्टी की मेड़ बनाकर वैकल्पिक मार्ग पर पानी के प्रवाह को रोकने का प्रयास किया गया लेकिन गंगा के प्रवाह के आगे मिट्टी की मेड़ गुरुवार सुबह बह गई।

हिन्दू मंदिरों की भी हो जांच, बौद्ध मठों को तोड़कर बनाए गए हैं मंदिरः स्वामी प्रसाद

लखनऊ (यूएनएस)। समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने ज्ञानवापी मस्जिद के एएसआई सर्वे को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर सर्वे होना है तो फिर केवल ज्ञानवापी का ही क्यों हो ? देश के सभी हिन्दू मंदिरों की भी जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने अपने बयान में ये भी दावा किया है कि देश के अधिकांश हिन्दू मंदिर बौद्ध मठों को तोड़कर बनाए गए हैं।सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक निजी चौनल से बातचीत में कहा कि अगर एएसआई सर्वे हो ही रहा है तो वो सिर्फज्ञानवापी का ही नहीं होना चाहिए बल्कि जितने भी हिन्दू धार्मिक स्थल हैं, पहले उनकी भी जांच होनी चाहिए, क्योंकि जितने भी हिन्दू धार्मिक स्थल हैं उनसे से अधिकांश मंदिर पहले बौद्ध मठ थे, उन्हें तोड़कर हिन्दू तीर्थ स्थल बनाए

गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर गड़े मुर्दे उखाड़ने की कोशिश की जाएगी तो बात बहुत दूर तक जाएगी। हम ऐसा नहीं चाहते हैं। यही वजह है कि भाई-चारा बना रहे। स्वामी प्रसाद मौर्य ने दावा किया कि 8वीं शताब्दी तक बदरीनाथ धाम भी बौद्ध मठ था, आदि शंकराचार्य ने उसे हिन्दू मंदिर बनाया। ऐसे में अगर किसी एक की बात चलेगी तो फिर सभी की बात चलेगी। हम गड़े मुर्दे उखाड़ना नहीं चाहते हैं। मैं हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई आपस में सब भाई-भाई में यकीन करता हूं। उन्होंने कहा कि हम भाईचारे में भरोसा करते हैं। हम समाज को बांटने में नहीं बल्कि जोड़ने पर यकीन करते हैं। बता दें कि ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के एएसआई सर्वे का मामला वाराणसी की इलाहाबाद हाईकोर्ट में चल रहा है। जहां हिन्दू पक्ष ज्ञानवापी का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराने की मांग कर रहा। वहीं, दूसरी तरफमुस्लिम पक्ष ने इस सर्वे पर रोक लगाने की अपील कर रहा है। इसी के चलते आज यानी बुधवार को मुख्य न्यायाधीश प्रीतिंकर दिवाकर की अदालत में में साढ़े तीन बजे सुनवाई होगी। दरअसल अदालत ने 26 जुलाई को ज्ञानवापी मस्जिद परिसरों में एएसआई सर्वेक्षण पर रोक बृहस्पतिवार को बढ़ा दी थी।

यूपी के 1.86 करोड़ किसानों को मिली सम्मान निधि

लखनऊ (यूएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राजस्थान के सीकर से 9 करोड़ किसानों के खातों में किसान सम्मान निधि की 14वीं किस्त ट्रांसफर की। उत्तर प्रदेश के सबसे ज्यादा किसानों को इसका लाभ मिला। उत्तर प्रदेश के उन किसानों को जिनके कागजों में कमी के चलते पीएम किसान सम्मान निधि नहीं मिल पा रही थी, अब अभियान चलाकर उनके कागजों को ठीक कराया गया है। इससे वह किसान भी पीएम किसान सम्मान निधि की किश्त का लाभ पाएंगे। पीएम मोदी आज उत्तर प्रदेश के 4 जिलों में स्थित प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र में वर्चुअल माध्यम से जुड़े किसानों से बात करेंगे। किसान सम्मान निधि पाने वालों में उत्तर प्रदेश के 1.86 करोड़ किसान हैं। इनको 4167 करोड़ रुपए खातों में सीधे ट्रांसफर की गई। साथ ही यूपी में 18073 उर्वरक केंद्र प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र में परिवर्तित किया गया। देशभर के किसानों को संबोधित करते हुए च्ड मोदी ने कहा कि सीकर के शेखावटी का यह क्षेत्र किसानों का गढ़ है। यहां का किसान पानी की कमी के बावजूद फसल पैदा कर रहा है। पीएम मोदी ने सीकर के किसानों के हौसले की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार ऐसी सरकार आई है, जो किसानों के साथ खड़ी है। किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से उनको आर्थिक सहायता के रूप में हर चार माह में 2000 रुपए की दर से साल में कुल 6000 रुपए किसानों के खातों में भेजी जाती है। इसकी शुरुआत दिसंबर 2018 में पीएम मोदी ने की। उत्तर प्रदेश में योजना के प्रारम्भ से अब तक 2,61,07,691 किसान सम्मान निधि से जुड़े हैं। जिन्हें कम से कम एक बार योजना से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की किश्त प्राप्त हुई है। योजना के प्रारम्भ से जून, 2023 तक सभी 13 किस्तों को सम्मिलित करते अब तक कुल 56678 करोड़ रुपए का भुगतान किसानों को किया गया है। उत्तर प्रदेश की 80 सीटों पर बीजेपी इस बार अलग रणनीति तैयार कर रही है। बीजेपी का फोकस लोकसभा चुनाव में किसानों पर रहने वाला है।

बच्चों की कछुआ सेना ने सड़क सुरक्षा के लिये वाहन चालकों को किया जागरूक

लखनऊ (यूएनएस)। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, नई दिल्ली एवं सृजन फाउंडेशन के सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान श्सजगश् के अंतर्गत निरंतर जागरूकता अभियान चलाये जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को टेड़ी पुलिया चौराहे पर सृजन फाउंडेशन एवं जनविकास महासभा के संयुक्त तत्वावधान में एक अनोखा जागरूकता कार्यक्रम किया गया। मुख्य अतिथि डीसीपी ट्रैफिक आईपीएस आशीष श्रीवास्तव के नेतृत्व में कछुए की तरह कपड़े पहने बच्चों की कछुआ सेना ने बिना हेलमेट ड्राइव कर रहे लोगों को रोककर उनको हेलमेट के महत्व को समझाया। जानकीपुरम विस्तार स्थित डैफोडिल्स स्कूल के कछुआ सेना के बच्चों ने संदेश दिया कि हम अपने साथ हेलमेट लेकर चलते हैं तो आप क्यों नहीं चलते ? बहुत से ऐसे लोग मिले जो हेलमेट पहने तो थे लेकिन उसकी स्ट्रिप नहीं बंधी थी या टूटी हुई थी। ऐसे लोगों को स्ट्रिप बंधे होने के फायदे के बारे में बताया गया। डीसीपी आशीष ने सृजन फाउंडेशन के इस अनोखे कांसेप्ट की बहुत तारीफ की। सभी बच्चों को मुख्य अतिथि के हाथों मैडल और सर्टिफिकेट प्रदान किये गए। इस अवसर पर जनविकास महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज तिवारी, प्रदेश मंत्री अजय यादव, संयोजक-योग प्रकोष्ठ विजय कांत श्रीवास्तव, प्रदेश संगठन मंत्री एवं सृजन फाउंडेशन की सचिव दिव्या शुक्ला, हीरो मोटोकॉर्प लखनऊ के सेफ्टी मैनेजर पंकज शर्मा, मारुति सुजुकी ड्राइविंग स्कूल से सैय्यद एहतेशाम, ट्रैफिक सबइंस्पेक्टर देवेंद्र सिंह, क्विंकपसे स्कूल की प्रिंसिपल शाजिया सिद्दीकी, मानवाधिकार जनसेवा परिषद के अध्यक्ष रूप कुमार शर्मा, डॉ अर्चना सक्सेना, रेखा पटेल, डॉ अमित सक्सेना उपस्थित रहे।

मानसून सत्र सात अगस्त से, अनुपूरक बजट पेश करेगी सरकार

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश में राज्य विधानसभा का मॉनसून सत्र 7 अगस्त से शुरू होने जा रहा है। यह करीब 5 दिन तक चलने वाले सत्र में योगी सरकार वित्तीय वर्ष 2023-24 का पहला अनुपूरक बजट पेश करने जा रही है। योगी सरकार की ओर से कई प्रस्तावों को सदन की मंजूरी दिलाने की तैयारियां की जा रही है। कल विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे और विधान परिषद के प्रमुख सचिव राजेश सिंह की ओर से मानसून सत्र का कार्यक्रम जारी किया गया।योगी सरकार विधानमंडल के मानसून सत्र में कुछ विधेयक और अध्यादेश पेश करेगी जिसको लेकर विधानसभा की नई नियमावली भी पेश की जा सकती है। सरकार उपलब्धियां प्रस्तुत करेगी। विपक्ष भी सरकार को अनुपूरक बजट सहित अन्य मुद्दों पर घेरने का प्रयास करेगा। इस विधामसभा सत्ता पक्ष की ताकत बढ़ी हुई नजर आयेगी। सुभासपा के छह सदस्य जुड़ने के बाद अब सत्तापक्ष की संख्या 280 होगी। 5 दिन यानि 11 अगस्त तक चलने वाला है सत्र। एक तरफ योगी सरकार की ओर से कई प्रस्तावों को सदन की मंजूरी दिलाने की तैयारी में है। दूसरी ओर विपक्ष लगातार सरकार को सदन में घेरने की योजना बना रहा है जिसमे विपक्ष की महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, बिजली, स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था समेत कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति है। इस वर्ष यह विधानमंडल का दूसरा सत्र है।

भाजपा ए श्रेणी के बढ़ायेगी बूथ,बूथ मजबूत तो जीत पक्की

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के भाजपाइयों को मिशन-2024 के लिए महामंत्री संगठन बीएल संतोष नया टॉस्क थमा गए है। बूथ मजबूत तो जीत पक्की, इसलिए घर घर भाजपाई हाजिरी दे रहे हैं। उन्हें खराब बूथों को मजबूत नही नंबर-1 बनाना है। सात से 10 फीसदी बूथों को बी श्रेणी से ए में लाने का लक्ष्य दिया है। टारगेट राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष दे गए हैं।पार्टी सूत्रों के मुताबिक 2014, 2017, 2019 और 2022 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों में मिले वोटों का भाजपा ने बूथवार डाटा विश्लेषण किया है। 38 फीसदी बूथ ऐसे हैं जो पार्टी के लिए ए श्रेणी के हैं यानि इन बूथों पर भाजपा नंबर-1 की स्थिति पर रही है। ए श्रेणी के 38 फीसदी बूथों का आंकड़ा बढ़ाकर 45 से 50 फीसदी तक पहुंचाने का लक्ष्य है। सभी बूथों को नये सिरे से ए, बी, सी और डी श्रेणी में बांटने को कहा गया है। बी श्रेणी के वे बूथ थे जहां भाजपा और विरोधी बराबरी की स्थिति में थे। सी श्रेणी में भाजपा को कम और डी श्रेणी वाले बूथों पर पार्टी को न के बराबर वोट मिले थे। दौरे पर आए राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष ने भाजपाइयों से जाना, जनाधार कैसे बढ़ाएं। भाजपा के पदाधिकारी अपने अपने सुझाव देने को आगे आये । सबकी सुनी और फिर टिप्स दिये। एक ने कहा, व्यापारी हमारा कोर वोट बैंक है इनके लिए तमाम योजनाएं चल रही हैं फिर भी उदासीन है। खिलाफवोटिंग तो नहीं करते मगर निराशा में वोट डालने ही नहीं जाते। ये बात कही तक सच है कि बहुत लोग सियासत में बढ़चढ़कर हिस्सा लेते हैं ।

इस्लामी शरीअत की हिफाजत मुसलमानों की जिम्मेदारीः मौलाना मुहम्मद मुश्ताक़

लखनऊ (यूएनएस)। इस्लामी शरीअत खुदा पाक की बनायी हुई है। इस के कानून में दुनिया की कोई ताकत बदलाव नही कर सकती। हर मुसलमान चाहे वह पुरूष हो या स्त्री, बूढ़ा हो या जवान, अमीर हो या गरीब, आलिम हो या जाहिल, सब को एक जबान होकर दुनिया को यह बताना होगा कि हम इस्लामी शरीअत और खुदा पाक के बनाये हुए कानून की पूरी तरह से हिफाजत करेंगें। हम सब उस पर अमल करेंगें और उनमें किसी प्रकार का हस्तक्षेप बिलकुल बर्दाशत नही करेंगें। इन शब्दो का इज़हार ऑल इण्डिया सुन्नी बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना मो0 मुश्ताक़ ने किया। वह आज इस्लामिक सेन्टर आफइण्डिया फरंगी महल के तत्वाधान में होने वाले दस दिवसीय जलसाहाय ''शुहादाये दीने हक व इस्लाहे माआशरह'' के अर्न्तगत दारूल उलूम फरंगी महल में पाँचवें जलसे को सम्बोधित कर रहे थे। मौलाना ने मुसलमानों पर जोर दिया कि वह अपनी जिन्दगी में इस्लामी शरीअत के आदेशों की पाबन्दी करें। अपनी जिन्दगी के तौर तरीके, अपना रहन सहन के अंदाज को इस्लामी शरीअत के अनुसार ढालें। मौलाना ने कहा कि इस्लामी कानून व आदेश पूरी इंसानियत के लिए खुदा पाक की तरफसे उपहार है। जो भी उन पर सच्चे दिल से अमल करेगा वह दुनिया वह आखिरत में कामयाब होगा। मौलाना ने कहा कि रसूल पाक की लाई हुई शरीअत खुदा पाक की उतारी हुई आखिरी शरीअत है।

होटल क्लर्स अवध में पूर्व राष्ट्रपति डॉ0एपीजे अब्दुल कलाम की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कतरे कांग्रेस के देवेन्द्र प्रताप सिंह

माइनिंग इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर युवा बनेंगे खनिज विशेषज्ञ: आशीष पटेल

लखनऊ(यूएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल मार्गदर्शन में मंत्री आशीष पटेल प्राविधिक शिक्षा विभाग की बेहतरी के लिए निरंतर महत्वपूर्ण निर्णय ले रहे हैं। उनके प्रयासों से राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज सोनभद्र में माइनिंग इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू की जा रही है। यह संस्थान पाठ्यक्रम शुरू करने वाला प्रदेश का पहला राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बन गया है। इस सम्बन्ध मे प्राविधिक शिक्षा मंत्री ने बताया कि राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज सोनभद्र में इसी सत्र से माइनिंग इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू होगी। पहले सत्र में 30 सीटों पर दाखिले की मंजूरी अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद से मिल गई है। माइनिंग इंजीनियरिंग के लिए सीटों की संख्या बढ़ाये जाने हेतु कॉलेज में जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं। प्रदेश में खनिज पदार्थों पर आधारित सार्वजनिक व निजी क्षेत्र की कई परियोजनाएं स्थापित हैं। परियोजनाओं में भी बड़ी संख्या में खनन विशेषज्ञों की जरूरत होगी। जिसका फायदा माइनिंग इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर निकले युवाओं को रोजगार के अवसर के रूप में मिलेगा। अब प्रदेश के युवाओं को माइनिंग इंजीनियरिंग की पढ़ाई एवं रोजगार प्राप्त करने हेतु अन्य प्रदेशों मे जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज सोनभद्र के निदेशक ने बताया कि मंत्री प्राविधिक शिक्षा आशीष पटेल के प्रयासों से संस्थान को माइनिंग पाठ्यक्रम की मंजूरी मिल गई है। संस्थान को प्रदेश में पहला संस्थान बनने में प्राविधिक शिक्षा मंत्री का बहुत बड़ा सहयोग शुरुआत से ही रहा है। इसका परिणाम यह रहा कि संस्थान को एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है।

कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने मदरसा शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षा परिणाम किया घोषित

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद द्वारा संचालित मुंशी व मौलवी (सेकेण्डरी), आलिम (सीनियर सेकेण्डरी), कामिल एवं फाजिल परीक्षा वर्ष प्रदेश के 539 परीक्षा केन्द्रों पर हुई। मुख्यालय स्तर पर समस्त परीक्षा केन्द्रों की वेब-कास्टिंग भी करायी गयी। परीक्षा वर्ष में कुल 1,69,796 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए, जिसमें से 1,09,527 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुये। उत्तीर्ण परीक्षार्थियों में 54,481 छात्र (98.54 प्रतिशत) एवं 55046 (87.22 प्रतिशत) छात्राएं है। कुल 84.48 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। मुंशी व मौलवी परीक्षा में कुल 101182 छात्र सम्मिलित थे। जिसमें 70687 उत्तीर्ण हुए, जिसका प्रतिशत 79.21 प्रतिशत है। आलिम परीक्षा में 29496 के सापेक्ष 23888 उत्तीर्ण हुए जो 88.58 प्रतिशत है। कामिल में 8120 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। जिसके सापेक्ष 7513 उत्तीर्ण हुए जिनका प्रतिशत 91.2 है। फाजिल में 4420 छात्र-व छात्राएं सम्मिलित हुए जिसमें 4129 उत्तीर्ण हुए, जो 95.31 प्रतिशत है। मुंशी व मौलवी (सेकेण्डरी अरबी व फारसी) परीक्षा में मोहम्मद नाजिल मदरसा तालीमुल जदीद नूरखानपुर, भदोही ने प्रदेश में प्रथम, मोहम्मद मोईन, मदरसा जामिया जिकरा जनपद सीतापुर ने द्वितीय एवं मोहम्मद इरफान, मदरसा जामिया जिकरा जनपद सीतापुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

आलिम (सीनियर सेकेण्डरी अरबी व फारसी) परीक्षा में चांदनी बानों मदरसा उस्मान अहमद पब्लिक स्कूल जनपद फर्रूखाबाद ने प्रथम, सादिया फातिमा मदरसा अल्लामा फजलें हक खैराबादी मेमोरियल खैराबाद जनपद सीतापुर ने द्वितीय एवं मोहम्मद उजैर मदरसा अल्लामा फजलें हक खैराबादी मेमोरियल खैराबाद जनपद सीतापुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। कामिल परीक्षा में रूकैय्या बेबी मदरसा मजहरूल उलूम जनपद वाराणसी ने प्रथम, हादिया खातून मदरसा जामिया जिकरा निस्वां जनपद सीतापुर ने द्वितीय एवं मोहम्मद हुसैल मदरसा दर्सगाह आलिया इस्लामिया शरीफ नगर जनपद मुरादाबाद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। फाजिल परीक्षा में फरहा नाज मदरसा सिद्दीकिया निस्वां स्कूल जनपद कानपुर नगर ने प्रथम, वारिशा नाज मदरसा सिद्दीकिया निस्वां स्कूल जनपद कानपुर नगर ने द्वितीय एवं वसीम अहमद मदरसा दारूल हुदा युसुफपुर जनपद सिद्धार्थनगर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा हमारी सरकार की मूल नीति सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के साथ सबका प्रयास है। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की मंशा एक हाथ में कुरान और दूसरे हाथ में लैपटाप से अल्पसंख्यकों में एक नये मनोबल, चेतना और विश्वास का संचार हुआ है। अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र के सशक्तिकरण की आधार नीति को यथार्थ धरातल पर लाने का कार्य हमारी सरकार निरन्तर कर रही हैं। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में हम लगातार अल्पसंख्यकों के हित के लिए काम कर रहे है। समाज के विकास के लिए शिक्षा सबसे बुनियादी चीज है। हम पूरी तरह से मदरसों की शिक्षा की बेहतरी के लिए संजीदा हैं और लगातार जरूरी कदम उठा रहे हैं।

मुस्लिम लीग ने लगाए हिंदू विरोधी नारे, डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया शर्मनाक

लखनऊ (यूएनएस)। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। देश विरोधी गतिविधियों को लेकर वे हमेशा आक्रामक रहते हैं। एक बार फिर उन्होंने हाल ही में घटी एक घटना पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। केरल में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने यूसीसी के विरोध में एक रैली का आयोजन किया जिसमें जमकर हिंदू विरोध नारे लगे। रैली में हिंदुओं को मंदिर के सामने फांसी पर लटकाने और जिंदा जलाने की धमकी दी गई। बीजेपी एमएलए डॉ. राजेश्वर सिंह ने इस घटना की निंदा की तथा ट्वीट कर कांग्रेस और मुस्लिम लीग की सच्चाई को उजागर किया। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने अपने ट्वीट में लिखा आईयूएमएल की यह हरकत शर्मनाक है, लेकिन अभी तक कांग्रेस या वाममोर्चा या तथाकथित छद्म उदारवादियों की ओर से माफी नहीं आई। तथाकथित उदारवादी सरकारों के कारण ही केरल में ऐसे नारे लगाए और जुलूस निकाले जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने केरल में हिंदूओं की घटती जनसंख्या का भी जिक्र करते हुए लिखा कि राज्य में हिंदू आबादी 68.5: से घटकर 54.9: हो गई है इससे पहले भी जब अमेरिका में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मुस्लिम लीग को धर्म निरपेक्ष बताया था तब भी डॉ. राजेश्वर सिंह ने इस संगठन का कच्चा चिट्ठा खोलकर रख दिया था। उन्होंने कहा था कि ये वही मुस्लिम लीग है जिसका नेतृत्व करते हुए 16 अगस्त, 1946 को मोहम्मद अली जिन्ना ने कहा था कि हमारे पास या तो एक विभाजित भारत होगा या एक नष्ट भारत होगा।

यूपी में 54 फीसदी से अधिक ग्रामीण परिवारों तक पहुंचा हर घर जल

लखनऊ (यूएनएस)। हर घर जल योजना से ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन देने के मामले में यूपी ने गुरुवार को छत्तीसढ़ और मेघालय को भी पछाड़ दिया। अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुंचाने में लगातार नए कीर्तिमान हासिल कर रहे यूपी ने पिछले 7 महीनों में 8 राज्यों को मीलों पीछे छोड़कर देश में नई मिसाल पेश की है। योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश में 54 फीसदी से ज्यादा ग्रामीण परिवारों तक नल से जल की सुविधा भी प्रदान की है। लक्ष्य प्राप्ति की ओर तेजी से बढ़ रहे। यूपी में अब तक 1,42,76,748 ग्रामीण परिवारों तक नल से जल की सौगात दी गई है। करीब 8 करोड़ ग्रामीणों को घर-घर नल से शुद्ध पेयजल मिलने लगा है। सरकार का लक्ष्य 2,62,37,840 ग्रामीण परिवारों को नल से जल की सुविधा देना है। इस लक्ष्य की ओर से बढ़ रही हर घर जल योजना नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। बता दें कि देशभर में अकेले जुलाई माह में यूपी ने नल कनेक्शन देने में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मेघालय जैसे तीन राज्यों को पीछे छोड़ा है। तीन राज्यों को एक महीने में पछाड़ने का भी नया कीर्तिमान अपने नाम किया है। नल कनेक्शन देने के मामले में देश में नम्बर वन बनने की ओर आगे बढ़ रहा उत्तर प्रदेश जनवरी माह से अब तक झारखंड, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, केरल, महाराष्ट्र और असम को भी यूपी काफी पीछे छोड़ चुका है।

जनवीणा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधा द्विवेदी द्वारा राज तरुण ऑफसेट, एल.जी.एफ. 4-5, अंसल सिटी सेन्टर, निकट यू. पी. प्रेस क्लब, हज़रतगंज, लखनऊ से मुद्रित तथा 499/1, विनय विहार कालोनी, इन्दिरा नगर, निकट-बी.आर. इंटरनेशनल स्कूल, पो. सीमैप, लखनऊ-226015 उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक- सुधा द्विवेदी
कार्यकारी सम्पादक
डॉ. एस.के.गोपाल
प्रबंध सम्पादक
होमेन्द्र कुमार मिश्र
विशेष संवाददाता
सौरभ कुमार पाण्डेय
संवाददाता
जादूगर सुरेश कुमार
सम्पर्क : 9451532641, 8765919255

ईमेल :janveenanews@gmail.com

RNI No. UPHIN/2011/43668

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।